Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	INSCRIPT 28th Oct 2018 S1
Subject Name:	Inscript
Creation Date:	2018-10-28 15:39:49
Duration:	25
Share Answer Key With Delivery Engine:	Yes
Actual Answer Key:	Yes
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No
Show Watermark on Console?:	No
Highlighter:	No
Auto Save on Console?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	9089885
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	9089885
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1

Sub-Section Id: 9089885
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 1 Question Id : 9089885 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes
बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता उसके गुणगान करने लगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number : 2
Group Id : 9089886
Group Maximum Duration : 15
Group Minimum Duration : 15
Revisit allowed for view? : No
Revisit allowed for edit? : No
Break time: 0
Group Marks: 0

Hindi Typing Test

Section Id : 9089886
Section Number : 1
Section type : Typing Test
Mandatory or Optional: Mandatory
Number of Questions: 1
Number of Questions to be attempted: 1
Section Marks: 0
Display Number Panel: Yes
Group All Questions: No

Sub-Section Number: 1
Sub-Section Id: 9089886
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 2 Question Id : 9089886 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

एक बार का बात है निराला जी अपनी लिखी हुई किताबे बेचने निकले। उन किताबों का बेहतरीन दाम पाकर खुश हुए और ठाठ से घर को चल दिए। तभी उनकी निगाह एक औरत पर गयी जो कि तपती दोपहर में पेड की छाया में बैठी भीख मांग रही थी। उसकी दशा बहुत ही खराब थी जिसे देखकर निराला जी तुरंत ही वहां थम गये और उस औरत की और जाने लगे। निराला जी को अपने पास आता देखकर वह औरत अपने दोनो हाथ फैलाकर उनसे भीख मांगने लगी। निराला जी जब उस औरत के पास पहुंचे तो तुरंत बोले का आज आपको कुछ नहीं मिला। तो बुढी औरत ने कहा की बेटा आज सुबह से ही कुछ नही मिला हैं। तो निराला जी ने कहा कि आपने मुझे बेटा कहा हैं तो आप मेरी माता समान हुई और यह कैसे हो सकता है कि निराला की माता जी ऐसे राह पर बैठकर भीख मांग रही हैं। यह बात सुनकर उस लाचार औरत की आखों में पानी भर आया फिर निराला जी कुछ पैसे उस औरत के हाथ पर रखते हुए बोले कि मैं आपका बेटा और आप मेरी माता। अब बताइये कितने दिन तक आप भीख नहीं मांगेंगी। तो औरत ने कहा कि दो तीन दिन तक नही मांगुंगी बेटा। फिर निराला जी ने उसे कुछ और पैसे दिए और पुछा कि अब कितने दिन तक नहीं मांगेंगी। तो औरत ने कहा बीस तीस दिन तक नहीं मांगुगी। ऐसा करते करते निराला जी के सारे पैसे उस औरत के पास चले गये। वह बस हर बार पुछते रहे और पैसे उस औरत की गोद में डालते रहे। यह सब एक राहगीर देख रहा था और दंग भी रह गया। वहीं दूसरी तरफ इतने सारे पैसे देखकर वह औरत भावुक हो गयी और निराली जी से कहने लगी अब वह कभी भी भीख नहीं मांगेंगी। इतना सुनकर निराला जी अपने एक खास मित्र के घर चले गये। और पहुंचते ही निराला जी ने अपने मित्र को रिक्शे का किराया भरने को कहा। जैसे ही उनका मित्र किराया देने लगा अचानक से रिक्शे वाले ने सबकुछ उनके मित्र को बता दिया। यह सब बातें सुनकर निराला जी के मित्र को रोना आ गया और रिक्शे वाले को उसके पैसे देकर विदा कर दिया। आसान नहीं होता है कि किसी अनजान की राह चलते मदद कर देना। निराला जी ने जो किया वह बेहद सराहनीय था। जो लोग महान होते है उनका दिल उदार और बहुत ही कोमल होता हैं। उनसे किसी की भी परेशानी नहीं देखी जाती है। वे लोग दूसरो के सुख में ही अपना सुख देखते हैं। ऐसे लोग अपने पराये में अंतर नहीं रखते हैं। वे सबको अपना परिवार ही मानते हैं। हम भी अगर लोगों की छोटी छोटी बातों में मदद कर दें तो दूसरों की खुशी का कारण बन पायेंगे और मानवता की नींव रख पायेंगे।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes